क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 60, सोमवार, 25 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कांग्रेस ने जारी की एक और लिस्ट, कार्ति चिंदबरम को मिला टिकट

नई दिल्ली । पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम कांग्रेस के टिकट पर तमिलनाडु के शिवगंगा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने रविवार को उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की है जिसमें 10 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। इसके अनुसार बिहार के कटिहार से तारिक अनवर, बीके हरिप्रसाद बेंगलुरु दक्षिण से, कार्ति चिदंबरम ने तमिलनाडु के शिवगंगा और सुरेश धनकोरकर ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर से चुनाव लड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि एयरसेल मैक्सस केस पी चिदंबरम और उनके पुत्र कार्ति चिदंबरम पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगे हैं। आइएनएक्स मीडिया को 2007 में 305 करोड़ रुपये के विदेशी निवेश के लिए विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड ने मंजूरी दी थी। तब चिदंबरम ही वित्त मंत्री थे। सीबीआइ ने इसमें अनियमितता को लेकर 15 मई 2017 को प्राथमिकी दर्ज की थी। आइएनएक्स मीडिया को 2007 में तथा एयरसेल-मैक्सिस सौदे को 2006 में मंजूरी देने के मामले की सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय दोनों ही जांच कर रही हैं। सरकार एयरसेल-मैक्सिस मामले में चिदंबरम को आरोपित बनाने की मंजूरी पहले ही दे चुकी है। चिदंबरम ने हालांकि, इन कंपनियों में विदेशी निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने में किसी भी तरह का कुछ गलत किये जाने के आरोपों से इन्कार किया है।

पीयूष गोयल के बोल, इस बार अमेठी भी जीतेगी भाजपा

बरेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और रेल मंत्री पीयूष गोयल ने दावा किया है कि उनकी पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र अमेठी में भी जीत दर्ज करेगी। गोयल ने रविवार को यहां पार्टी की ''विजय संकल्प सभा'' को संबोधित करते हुये मोदी सरकार के कार्यों को गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सवर्णों के लिये 10 फीसदी आरक्षण दिया। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई और उज्ज्वला योजना का भी उन्होंने हवाला दिया। भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा अपने चुनावी घोषणापत्र में अगले पांच साल में किये जाने वाले काम की जानकारी देगी। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुये कहा कि यह एक परिवार की पार्टी है और उसे बचाने में लगी है। गोयल ने कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुये कहा कि वह तो यूपी से भागकर केरल जा रहे हैं और अमेठी में इस बार स्मृति ईरानी बड़े अंतर से चुनाव जीतेंगी। उन्होंने बरेली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष गंगवार और आंवला सीट से धर्मेंद्र कश्यप को बहुमत से जिताने की अपील की। उन्होंने बरेली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष गंगवार और आंवला सीट से धर्मेंद्र कश्यप को बहुमत से जिताने की अपील की।

लोकसभा चुनाव 2019

लोकसभा चुनाव 2019 : लालकृष्ण आडवाणी- ''बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले''

नई दिल्ली।

भारतीय राजनीति में पिछले करीब छह दशक से अपने प्रबुद्ध व्यक्तित्व, प्रखर बयानों, सूझबूझ भरे संगठन कौशल पर चढ़कर चुनावी सियासत की हवाएं पलट देने वाले और लंबे समय तक देश के एक प्रमुख राजनीतिक दल के पर्याय रहे लालकृष्ण आडवाणी हमेशा अपने दूरदर्शी फ़ैसलों के लिए पहचाने जाते रहे हैं। लेकिन जब अपने बारे में महत्वपूर्ण फ़ैसला करने के मौक़े आए तो क्या वह दीवार पर लिखी इबारत को भी पढ़ने से चूक गए? ऐसा केवल गुजरात के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र से इस बार उन्हें टिकट न दिए जाने के मामले में ही नहीं हुआ है। इसके पहले चाहे 2005 में उनकी चर्चित पाकिस्तान यात्रा हो या फिर 2013-14 में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन का मामला हो, उनके निर्णय उन्हें धोखा दे चुके हैं। आडवाणी के राजनीतिक जीवन पर यदि नजर डालें तो अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के 2004 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद भारतीय राजनीति में यह लगभग तय हो गया था कि अब इस भगवा पार्टी की कमान आडवाणी ही संभालेंगे और यदि आगे कभी सरकार बनी तो उसकी अगुवाई भी वही करेंगे। किंतु राजनीति में जहां एक कदम आपको शिखर पर ले जाता है वहीं एक छोटे से रुख के कारण नेता अर्श से फर्श पर आ जाता है।आडवाणी के राजनीतिक जीवन की ढलान 2005 में पाकिस्तान यात्रा के दौरान शुरू हो गई थी। इस यात्रा का एक छिपा मकसद आडवाणी की स्वीकार्यता के फलक को मजबूती देना था क्योंकि रथयात्राओं और रामजन्म भूमि आंदोलन के कारण उनकी छवि एक हिन्दूवादी नेता की बन चुकी थी। पाकिस्तान यात्रा के दौरान आडवाणी ने न केवल मोहम्मद अली जिन्ना की मजार पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी बल्कि उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष नेता भी बताया। पाकिस्तान को लेकर आरएसएस और भाजपा के बिल्कुल अलग विचारों के कारण आडवाणी के इस बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया और इसी के चलते पाकिस्तान से लौटने के फौरन बाद आडवाणी ने भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। तमाम राजनीतिक खींचतान के बावजूद भाजपा ने आडवाणी को अपना चेहरा बनाते हुए 2009 का चुनाव लड़ा। किंतु भाजपा सरकार बनाने में विफल रही और इसी के साथ आडवाणी की संभावनाओं का दायरा भी सिकुड़ गया। पार्टी में आडवाणी का सम्मान बरकरार रहने के बावजूद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें चुनौती दे सकने वाले नेता के रूप में धीमे-धीमे उभरने लगे। भाजपा ने 2014 के आम चुनाव से पहले मोदी को पार्टी की अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया तो आडवाणी ने परोक्ष असहमति जताई। फिर जब पार्टी ने मोदी को प्रधानमंत्री चुना तो आडवाणी ने चुप्पी साध ली। मोदी सरकार में 75 वर्ष की आयु का एक अलिखित नियम बनाकर आडवाणी सहित कई उम्रदराज नेताओं को कोई मंत्री पद नहीं दिया गया। बाद में पार्टी ने उनको मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जिसे लेकर विपक्ष आज तक भाजपा पर तीखे तंज कसता है। आडवाणी ने प्रधानमंत्री पद के लिए उन्हें नहीं चुने जाने, सरकार में कोई पद नहीं मिलने और उन्हें मार्गदर्शक मंडल में डाले जाने को लेकर आज तक आरएसएस या भाजपा के विरूद्ध एक भी शब्द नहीं कहा। अब जबकि पार्टी ने आडवाणी की पारंपरिक गांधीनगर सीट से उन्हें टिकट न देकर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को उतारा है तो माना जा रहा है कि आडवाणी इस निर्णय पर भी मौन ही रहेंगे क्योंकि वह संघ औरपार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। आडवाणी को भाजपा में अटल बिहारी वाजपेयी के बाद सबसे कद्दावर नेता माना जाता है। इसका कारण भी स्पष्ट है। 1984 के आम चुनाव में भाजपा महज दो सीटों पर सिमट गई थी। उसके बाद इस पार्टी ने धीरे धीरे भारतीय राजनीति में जिस प्रकार अपने पैर मजबूती से जमाये और पहले विपक्ष की मजबूत आवाज के रूप में और फिर सत्ता में पहुंचने पर अपनी खास छाप छोड़ी, उसमें आडवाणी के व्यक्तित्व और उनकी रथयात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय राजनीति में आडवाणी को ''प्रथम रथयात्री'' का तमगा भी दिया जाता है। अविभाजित भारत में आठ नवंबर 1927 को कराची एक व्यावसायिक सिंधी परिवार में जन्मे आडवाणी की शुरूआती शिक्षा कराची, हैदराबाद (पाकिस्तान स्थित) में हुई।

राजग सरकार ने 'विनाश की राजनीति को विकास की राजनीति' में बदला : जयंत सिन्हा

जमशेदपुर।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने रविवार को कहा कि पिछले 60 महीनों में राजग सरकार ने विपक्ष की 'विनाश की राजनीति को विकास की राजनीति'' में बदल दिया है। उन्होंने दावा किया कि लोग लोकसभा चुनाव में एक करारा जवाब देंगे। सिन्हा ने पूर्वी सिंहभूम जिले में भाजपा के 'विजय संकल्प' कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी दल 'सत्ता हथियाने के अपने प्रयास' के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। सिन्हा ने महागठबंधन को 'महामिलावट' बताते हुए कहा,'मोदी नीत सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान विपक्षी पार्टियों की दुकानें बंद कर दी। वे (विपक्ष) मोदी के भय से एक गठबंधन बना रहे हैं लेकिन देश के लोग एक करारा जवाब देंगे।' उन्होंने अपने गृह जिले हजारीबाग में बहुद्देश्यीय कोनार बांध सहित केंद्र सरकार द्वारा झारखंड में हाथ में ली गई विकास परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा,'विपक्षी दल और भाजपा के बीच अंतर यह है कि वे निजी लाभों के लिए सत्ता में आते हैं जबकि हम समाज की सेवा का प्रयास करते हैं।' उन्होंने दावा किया कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने 15 अक्टूबर 1955 को हजारीबाग का दौरा किया था। उस समय यह निर्णय किया गया कि बांध विकसित किया जाएगा ताकि न केवल बोकारो में औद्योगिक उद्देश्यों के लिए बल्कि सिंचाई के लिए भी पानी की आपूर्ति की जा सके। उसके बाद 64 वर्ष बीत गए लेकिन परियोजना मोदी सरकार के कार्यकाल में ही आगे बढ़ी। सिन्हा ने कहा कि इसी तरह से डलभूमगढ़ में एक हवाई अड्डे की मांग दशकों तक पूरी नहीं हुई लेकिन मोदी सरकार में हाल में उसकी आधारशिला रखी गई।

बीजद की केंद्र में सरकार गठन में अहम भूमिका-नवीन पटनायक

नयागढ़ ।

बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि इस बार किसी भी राजनीतिक पार्टी को सरकार बनाने के लिए भारी बहुमत नहीं मिलेगा और उनकी पार्टी केंद्र में सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस से हमेशा समान दूरी बनाए रखने का दावा करने वाले पटनायक ने रविवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी राज्य की सभी 21 लोक सभा सीटें जीतेगी तथा केंद्र में सरकार के गठन में अहम भूमिका अदा करेगी। वर्ष 2014 की मोदी लहर के बीच हुए चुनाव में भी बीजद ने 21 में से 20 संसदीय सीटें जीतीं थीं जबकि भाजपा के खाते में एकमात्र सीट गई थी। बीजद प्रमुख ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए ओडिशा को लेकर केंद्र के उदासीन रवैये की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ओडिशा केंद्र की लापरवाही का शिकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद उनकी पार्टी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का संघर्ष जारी रखेगी।

कांग्रेस की 38 उम्मीदवारों की नई सूची में 4 पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखंड और मणिपुर में लोकसभा की 38 सीटों के लिए शनिवार को उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की ओर से शनिवार रात जारी सूची के मुताबिक पार्टी ने वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को भोपाल से उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला साध्वी प्रज्ञा से हो सकता है। एक चैनल के मुताबिक प्रज्ञा ने दिग्विजय के खिलाफ चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा जाहिर की है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को राज्य की नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट से टिकट दिया गया है। इसके अलावा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण एक बार फिर से नांदेड़ से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली को कर्नाटक की चिकबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया गयाहै। वहीं लोकसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को राज्य की गुलबर्गा सीट से फिर पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने उत्तराखंड में भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.सी. खंडूरी के बेटे मनीष को गढ़वाल संसदीय सीट से टिकट दिया है। महेश पाठक को मथुरा से टिकट दिया गया है। कर्नाटक में 18, मध्य प्रदेश में 9, महाराष्ट्र में 1, उत्तर प्रदेश में 3, उत्तराखंड में 5 और मणिपुर में 2 उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। पार्टी ने लोकसभा उम्मीदवारों की यह आठवीं सूची जारी कीहै। वहीं पार्टी अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 53 तथा सिक्किम विधानसभा चुनाव के लिए ।

गुजरात मॉडल को 'भारत मॉडल' बनाने के लिए प्रत्याशी बने 'शाह'

नई दिल्ली ।

गुजरात के गांधी नगर संसदीय क्षेत्र से लाल कृष्ण अडवानी की जगह भाजपा अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद अमित शाह को टिकट देना नए युग का आरंभ होने जैसा है। इस बात की भी चर्चा है कि गुजरात मॉडल को 'भारत मॉडल' बनाने के लिए ही शाह को गांधीनगर से प्रत्याशी बनाया गया। पार्टी में तो पहले से ही अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद सबसे शक्तिशाली नेता समझे जाते हैं। अब अगर 2019 के लोकसभा चुनावों में दोबारा भाजपा की सरकार बनती है तो संभव है कि अमित शाह भाजपा में नंबर 2 से केन्द्र सरकार में भी नंबर 2 हो सकते हैं। राजनाथ सिंह को हटाकर ही अमित शाह पार्टी अध्यक्ष बने थे। अब कहा यह जा रहा है कि यदि भाजपा फिर से केन्द्र की सत्ता में आती है तो अमित शाह को गृह जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह इतिहास के खुद को दोहराने जैसा ही होगा क्योंकि मोदी सरकार में अब तक गृह मंत्री का पद संभाल रहे राजनाथ सिंह उस स्थिति में दोबारा भारत के गृह मंत्री नहीं बन सकेंगे। अमित शाह भी राजनाथ सिंह की तरह ही 2 बार भाजपा अध्यक्ष रहे। 22 अक्तूबर, 1964 को जन्मे अमित शाह गुजरात के गृह मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं। भारतीय राजनीति में मोदी और शाह की जोड़ी का कोई तोड़ नहीं है। दरअसल अमित शाह पहली बार नरेंद्र मोदी से 1982 में अपने छात्र जीवन के दौरान मिले थे। इसके बाद ही उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई थी। अमित शाह के लिए राजनीतिक जीवन की पहली बड़ी उपलब्धि थी 1991 में लाल कृष्ण अडवानी के लिए गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार करना। इसके बाद शाह ने कभी मुड़कर पीछे नहीं देखा और 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को 71 सीटें जितवाकर उन्होंने सभी को अपनी राजनीतिक सूझबूझ का कायल बना दिया। जिस संसदीय क्षेत्र में पहली बार एक बड़े नेता के लिए चुनाव प्रचार किया, अब उसी सीट से लोकसभा चुनाव लडना अमित शाह के जीवन का एक नया पड़ाव है। यदि तमाम राजनीतिक विशेषज्ञों की बातों को सही मानें, तो गृह मंत्री पद का रास्ता अमित शाह के लिए गांधीनगर संसदीय सीट से ही होकर जाता है। गांधीनगर सीट से हमेशा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व चुनाव लड़ता रहा है। यह सीट भाजपा की सबसे सुरक्षित सीटों में से है। इस पर गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री व म.प्र. की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल अपनी बेटी अनार पटेल को चुनाव लड़ाना चाहती थीं। वह चाहती थीं कि अनार को गांधी नगर से टिकट दिया जाए।

इसके लिए सत्ता शीर्ष पर दबाव बनाए हुई थीं। उनसे अमित शाह की पटती नहीं है। कहा जा रहा है कि उनको (आनंदी व अनार) को मात देने के लिए यहां से भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को टिकट दिया गया। 2014 की तरह 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा गुजरात की सभी 26 सीटें जीतना चाहती है इसलिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को गांधी नगर संसदीय सीट से उतारा गया है। इस संसदीय क्षेत्र से भाजपा के सबसे बड़े नेताओं में से एक लाल कृष्ण अडवानी चुनाव लड़ते रहे हैं।

गुरुग्राम की घटना को लेकर राहुल ने साधा भाजपा और आरएसएस पर निशाना

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुग्राम में एक परिवार के सदस्यों की कुछ लोगों द्वारा बर्बर ढंग से पिटाई पर चिंता व्यक्त करते हुए शनिवार को दावा किया कि यह घटना भाजपा और आरएसएस द्वारा राजनीतिक ताकत के लिए नफरत का इस्तेमाल किए जाने के प्रति एक चेतावनी है। गांधी ने ट्वीट कर कहा,''गुरुग्राम में उपद्रवियों द्वारा एक परिवार की बेरहमी से पिटाई के वीडियो से हर देशप्रेमी भारतीय आहत है।'' उन्होंने कहा,''आरएसएस/भाजपा ने राजनीतिक शक्ति के लिए शत्रुता एवं घृणा का इस्तेमाल करते हैं। यह घटना उनकी इस रणनीति के भयावह परिणाम और स्याह पहलू को लेकर चेतावनी है।'' इस घटना को लेकर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने खट्टर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा,''भयावाह भीड़तंत्र भाजपा राज का पर्याय बन गया है। खट्टर सरकार के जंगलराज में हरियाणा की कानून व्यवस्था तार-तार हो गई है। आम नागरिक भयभीत है एवं नफरत का माहौल

है।'' उन्होंने दावा किया,''ऐसी शर्मनाक दृश्य बताते है कि खट्टर राज में मानवता कितनी पिछड़ती जा रही है।''

अमेरिका की पाक को चेतावनी - भारत पर एक और आतंकी हमला होगा बड़ी मुसीबत साबित

वॉशिंगटन।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े अमेरिका ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत पर एक और आतंकवादी हमला उसके लिए बहुत अधिक समस्या खड़ा करने वाला होगा। व्हाइट हाउस में एक सीनियर अधिकारी ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, पाकिस्तान को आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस और निरंतर कार्रवाई करने की आवश्यकता है। क्षेत्र में फिर तनाव की स्थिति पैदा न हो इसके लिए खासतौर पर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, अगर पाकिस्तान आतंकवादियों पर कार्रवाई नहीं करता है और भारत पर एक और हमला होता है तो यह पाकिस्तान के लिए बड़ी समस्या खड़ी करने वाला होगा जो दोनों देशों के बीच तनाव की वजह बनेगा और दोनों के लिए खतरनाक होगा। भारत द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा कि अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा आतंकी संगठनों के खिलाफ अपरिवर्तनीय एवं अनवरत कार्रवाई की जरूरत है। अधिकारी ने कहा कि पूर्ण मूल्यांकन करना अभी जल्दीबाजी होगी।

अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने हाल के दिनों में कुछ कार्रवाई की हैं। कुछ आतंकी संगठनों की संपत्तियों को जब्त कर दिया गया है और कुछ गिरफ्तारियां की हैं। जैश-ए-मोहम्मद की भी कुछ सुविधाओं को नियंत्रण में लिया गया है। हालांकि उन्होंने आगे जोड़ा कि वे अभी और बड़ी कार्रवाई देखना चाहते हैं।

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में सक्षम

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश पीसी घोष के देश के पहले लोकपाल के रूप में शपथ लेते ही देश में एक नई संस्था ने आकार ले लिया। हालांकि लोकपाल सदस्यों की भी घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं कि यह संस्था विधिवत ढंग से अपना काम कब से और कैसे करेगी? यह अस्पष्टता जितनी जल्दी दूर हो उतना ही अच्छा, क्योंकि पहले ही अनावश्यक देर हो चुकी है। करीब चार दशक के इंतजार के बाद 2013 में लोकपाल संबंधी विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से लोकपाल और उसके सदस्यों के नाम तय करने में छह साल लग गए। चूंकि यह जरूरी काम देर से और लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद हुआ इसलिए उस पर सवाल भी उठे। इन सवालों की अनदेखी नहीं की जा सकती, लेकिन अब ज्यादा जरूरी यह है कि केंद्रीय स्तर के नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने वाली लोकपाल नामक नई संस्था उन उम्मीदों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़े जो उससे लगाई गई थीं और जिनके चलते एक समय पूरा देश आंदोलित हो उठा था। निःसंदेह लोकपाल संस्था इसीलिए अस्तित्व में आई, क्योंकि अन्ना हजारे के नेतृत्व में एक प्रभावी आंदोलन उठ खड़ा हुआ था। इसमें दोराय नहीं कि इस संस्था के सामने खुद को सक्षम साबित करने की चुनौती है। यदि लोकपाल पीसी घोष और उनके आठ सहयोगी इस चुनौती का सामना सही तरह करते हैं तो वे न केवल उम्मीदों को पूरा करेंगे, बल्कि भ्रष्टाचार से लड़ने के मामले में एक प्रतिमान भी स्थापित करेंगे। यह प्रतिमान इसलिए स्थापित होना चाहिए, क्योंकि एक तो भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की सख्त जरूरत है और दूसरे राज्यों के लोकायुक्तों के समक्ष उदाहरण पेश करने की भी आवश्यकता है। यह सही है कि भ्रष्टाचार से लड़ने का काम केंद्रीय जांच ब्यूरो और सुप्रीम कोर्ट के जरिये अभी भी हो रहा है, लेकिन सीबीआइ की अपनी सीमाएं हैं और फिर वह सरकार के नियंत्रण में काम करने वाली एजेंसी है। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट की भी अपनी सीमाएं हैं। एक तथ्य यह भी है कि वह न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के सवाल को सही तरह नहीं हल कर सका है। इन हालात में सरकार से इतर एक स्वतंत्र एवं स्वायत्त संस्था चाहिए ही थी। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि लोकपाल संस्था अपने कार्य-व्यवहार से अपनी साख बनाने का काम करे। यह बहुत कुछ उसके कामकाज के तौर-तरीकों पर निर्भर करेगा। उचित यह होगा कि नई सरकार का गठन होने के पहले ही लोकपाल संस्था जांच और अभियोजन संबंधी अपने तंत्र का गठन कर ले। केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को इसका आभास होना आवश्यक है कि भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एक नई और सक्षम संस्था अस्तित्व में आ चुकी है। लोकपाल संस्था के सक्रिय होने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आने के साथ ही भ्रष्ट तत्वों के मन में भय व्याप्त होना आवश्यक है। बेहतर होगा कि राज्य सरकारें भी इसकी चिंता करें कि लोकायुक्त अपने दायित्व का निर्वहन सही तरह कर पा रहे हैं या नहीं?

ट्वीट

श्रद्धांजलि

शहीद भगत सिंह को शहीदी दिवस पर मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। उन्हें आज के ही दिन 1931 में राजगुरु और सुखदेव के साथ लाहौर जेल में फांसी दी गई थी। हम लोग अब उनके नजरिये और विचारों को याद करें, जो आज भी प्रासंगिक और प्रेरणास्पद हैं।

एस इरफान हबीब, प्रख्यात इतिहासकार

कसौटी पर खरा उतरना होगा

[संजय गुप्त]

लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद इस राजनीतिक महासंग्राम के लिए राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों की सूची घोषित करनी शुरू कर दी है। जल्द ही ये प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल करने के लिए निकल पड़ेंगे, लेकिन इसी के साथ यह बहस छिड़ जाएगी कि उनका चयन किस आधार पर किया गया? क्या वे उपयुक्त उम्मीदवार हैं? क्या उनसे बेहतर उम्मीदवार नहीं हो सकते थे? हर चुनाव के समय मतदाताओं के सामने यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर वह किस उम्मीदवार को बेहतर माने और दल की योग्यता को प्राथमिकता दे या फिर उम्मीदवार की योग्यता को? भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में राजनीति अब जनसेवा कम, बल्कि व्यवसाय का माध्यम अधिक बन गई है। ऐसे में यह आवश्यक है कि प्रत्याशी के चयन की कोई प्रक्रिया तय हो। फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जो राजनीतिक दलों को इसके लिए बाध्य करे कि वह प्रत्याशियों का चयन एक सुनिश्चित प्रक्रिया के तहत करें। प्रत्याशियों के चयन को लेकर जिस तरह किचकिच होती है वह किसी से छिपी नहीं। जो दावेदार प्रत्याशी नहीं बन पाते वे या तो भितरघात करते हैं या विद्रोह करते हैं अथवा दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। दरअसल ऐसे नेता अपने निजी हित साधने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि राजनीति उनके लिए व्यवसाय बन गई है। हालांकि नेताओं के पालाबदल या भितरघात से खुद राजनीतिक दलों को ही नुकसान होता है, लेकिन वे प्रत्याशी चयन की कोई पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए तैयार नहीं। बेहतर होगा कि निर्वाचन आयोग यह काम करे। इससे प्रत्याशी चयन की दौड़ में पिछड़े नेताओं को कोई मलाल नहीं रहेगा और वे चयनित प्रत्याशी के पक्ष में खड़े होंगे। भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पहलू यह भी है कि राजनीतिक दल उम्मीदवारों का चयन निर्वाचन क्षेत्र के जातीय या फिर मजहबी समीकरणों के आधार पर करते हैं। वे उम्मीदवारों की छवि के बजाय यह देखते हैं कि वह जीतने की क्षमता रखता है या नहीं? उम्मीदवारों की जीतने की क्षमता को अधिक महत्व दिए जाने के कारण यह देखने से भी इन्कार किया जाता है कि वह साफ-सुथरी छवि वाला है या नहीं? उम्मीदवारों के चयन में जाति, उपजाति, मजहब आदि को प्राथमिकता इसलिए भी मिलती है, क्योंकि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग अपनी जाति, उपजाति या मजहब वालों को वोट देना पसंद करता है। इसके चलते वह उनकी छवि और उनके क्रियाकलापों की अनदेखी करता है। जाहिर है कि अगर आम जनता यह चाहती है कि राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन में जाति, मजहब को महत्व न दें और साफ-सुथरी छवि वाले योग्य लोगों को प्रत्याशी बनाएं तो उन्हें जाति, मजहब के आधार पर वोट देना बंद करना होगा। उन्हें ऐसे राजनीतिक दलों को भी हतोत्साहित करना होगा जो चुनाव बाद किसी से भी गठबंधन करने के लिए तैयार रहते हैं। जब ऐसा होता है तो एक तरह से जनादेश का अपहरण ही होता है। यह भी आवश्यक है कि आम चुनाव में मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों को प्राथमिकता दें और यह देखें कि कौन दल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध और समर्थ है। राष्ट्रीय हितों में तेज विकास भी शामिल है और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना एवं शासन-प्रशासन में सुधार करना भी। राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में समर्थ राजनीतिक दलों का निर्धारण करते समय उनकी कथनी-करनी के अंतर को भी देखा जाना चाहिए और उनके अब तक के कार्य-व्यवहार को भी। जहां तक स्थानीय विकास की बात है तो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विकास के मामलों में सांसद की भूमिका सीमित ही होती है। एक अकेला सांसद किसी भी संसदीय क्षेत्र का अपने बलबूते विकास नहीं कर सकता। इसके लिए व्यवस्था में सुधार आवश्यक है और यह काम बदलाव लाने को प्रतिबद्ध राजनीतिक दल ही कर सकता है। राजनीतिक दलों पर सुधार की दिशा में आगे बढ़ने या फिर अपनी नीतियों में परिवर्तन लाने के लिए दबाव भी बनाया जा सकता है। राजनीतिक दल जन दबाव में आते भी हैं और अपनी रीति-नीति को परिवर्तित भी करते हैं। सांसद ऐसा मुश्किल से ही करते हैं। वे जन दबाव में खुद को बदलने के बजाय दलबदल करना या फिर नए निर्वाचन क्षेत्र जाना पसंद करते हैं। हालांकि मतदाताओं के सामने अब एक विकल्प नोटा का भी है। वह योग्य प्रत्याशियों के अभाव में किसी को भी वोट न देने के अधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन मौजूदा स्थितियों में नोटा का इस्तेमाल एक तरह से अपने वोट को बेकार करना ही अधिक है। यह कहना कठिन है कि नोटा के इस्तेमाल से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल रही है। नोटा का महत्व तभी है जब अधिसंख्य मतदाता इसी राय के हों कि उनके सामने उपस्थित कोई भी प्रत्याशी योग्य नहीं और वे सभी किसी को वोट न देने का फैसला करें। मतदाताओं के सामने सबसे कठिन समस्या यह आती है कि वह अपने मतदान का निर्धारण किस तरह करे? समर्थ राजनीतिक दल को प्राथमिकता दे या फिर सक्षम उम्मीदवार को? यह समस्या तब बढ़ जाती है जब वह जिस राजनीतिक दल को वोट देना चाहता है उसका उम्मीदवार उसके मन मुताबिक नहीं होता। यह कोई सामान्य समस्या नहीं, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कोई भी राजनीतिक दल हो वह इतने बड़े देश की समस्याओं का समाधान आनन-फानन नहीं कर सकता। इतना अवश्य है कि वह ऐसी सरकार दे सकता है जो कठोर से कठोर फैसले लेने में सक्षम हो और राष्ट्रीय हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हो। यह क्षमता किसी मजबूत सरकार में ही हो सकती है और यह किसी से छिपा नहीं कि गठबंधन सरकारें मजबूती का परिचय देने के बजाय राजनीतिक मजबूरियों का प्रदर्शन करती हैं। समस्या यह है कि अपने देश में गठबंधन राजनीति का भी कोई नियम-कायदा नहीं है। राजनीतिक स्वार्थों के आधार पर गठबंधन बनते-बिगड़ते ही रहते हैं। कई छोटे राजनीतिक दल ऐसे हैं जो हर चुनाव में किसी एक बड़े दल को छोड़कर दूसरे बड़े दल के साथ जा मिलते हैं। अब तो परस्पर विरोधी दल भी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए एक-दूसरे के साथ आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दल राष्ट्र निर्माण में सहायक नहीं होते, पर आम तौर पर वे राज्य या क्षेत्र विशेष के मुद्दों को ही अधिक महत्व देते हैं। इसके चलते कई बार वे राष्ट्रीय महत्व के मसलों की अनदेखी करते हैं या फिर उनके प्रति संकीर्ण नजरिया अपनाते हैं। निःसंदेह क्षेत्रीय बनाम राष्ट्रीय दल का सवाल भी दुविधा बढ़ाता है।

इस सबके बीच यह ध्यान रहे कि अगर राजनीतिक दल राष्ट्रीय हितों की रक्षा और देश को आगे ले जाने में समर्थ नहीं तो फिर उसके उम्मीदवार सांसद बनकर भी कुछ खास नहीं कर सकते। स्पष्ट है कि जब तक प्रत्याशी चयन की कोई पारदर्शी प्रक्रिया नहीं बनती तब तक मतदाताओं के लिए इसके अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा में समर्थ राजनीतिक दल को प्राथमिकता दें, भले ही उनके सामने उस दल का प्रत्याशी उनकी अपेक्षा पर खरा न उतरता हो।

ज्ञान गंगा

आध्यात्मिकता

जग्गी वासुदेव

आध्यात्मिक प्रक्रिया के बारे में सबसे बुनियादी बात यही है कि आप यहां इस तरह रहते हैं मानो सिर्फ आपका ही अस्तित्व है, किसी और का नहीं। चूंकि आप हर किसी को खुद के ही रूप में देखते हैं, इसलिए कोई समस्या नहीं होती। लोग मुझसे पूछते हैं, ''सद्गुरु आप जहां भी जाते हैं, चाहे दस हजार लोग हों या एक लाख लोग, आप कैसे बोलते हैं?' मैं उनसे ऐसे बात करता हूं, जैसे मैं खुद से करता अगर मुझे ऐसी आदत होती। यहां कोई ''तुम' नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, वह किसी तरह का भाषण या प्रवचन नहीं है, मैं बस इस तरह बात कर रहा हूं, जैसे मैं खुद से बात करता क्योंकि जब मैं अपने आस-पास देखता हों, तो किसी और को नहीं, बल्कि खुद को ही देखता हूं। आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब है कि किसी रूप में अपने अनुभव में आप सभी को खुद में शामिल करने वाले हो जाते हैं। आपके जीवन से तुलना और कॉम्पटिशन गायब हो जाते हैं। वरना तुलना के साथ शुरू होने वाली चीज कॉम्पटिशन में बदल जाती है और फिर बदसूरत रूप ले लेती है। जहां तुलना और कॉम्पटिशन हो, वहां खुशी जैसी जीवंत और सुंदर चीज भी बदसूरत हो जाती है। खुशी आपके जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। खुशी का मतलब है कि आप अपने अस्तित्व को शानदार तरीके से अनुभव कर रहे हैं। जब आप समावेशी होते हैं, यानी सबको शामिल करके चलते हैं, तो आप अपने अस्तित्व को शानदार तरीके से अनुभव करते हैं, इसलिए आप आनंदित होते हैं। मैं इसलिए आनंदित नहीं हूं क्योंकि मैं सबसे अच्छा डोसा बनाता हूं या आपसे बेहतर डोसा बनाता हूं, न ही मैं इसलिए अधिक आनंदित होऊंगा क्योंकि मैं आपके पकाए हुए बेहतरीन व्यंजन खाए हैं। मैं आपके रेस्तरां में आने से पहले भी जबरदस्त रूप से आनंदित रहूंगा। अगर आप कोई अच्छी चीज बनाएंगे, तो मैं आनंदित होकर खाऊंगा। अगर आप कुछ बुरा बनाएंगे, तो मैं आनंदित होकर उसे एक ओर सरका दूंगा। आप अपने अच्छे या खराब भोजन से मुझे खुशी नहीं दे सकते, न ही मेरी खुशी छीन सकते हैं। मैं चाहता हूं कि आप और दुनिया में हर कोई ऐसा ही बन जाए, जिससे आपके भीतर घटित होने वाली चीज को कोई और तय न कर सके।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अब्बा को बचाने के लिए आतंकियों से भिड़े

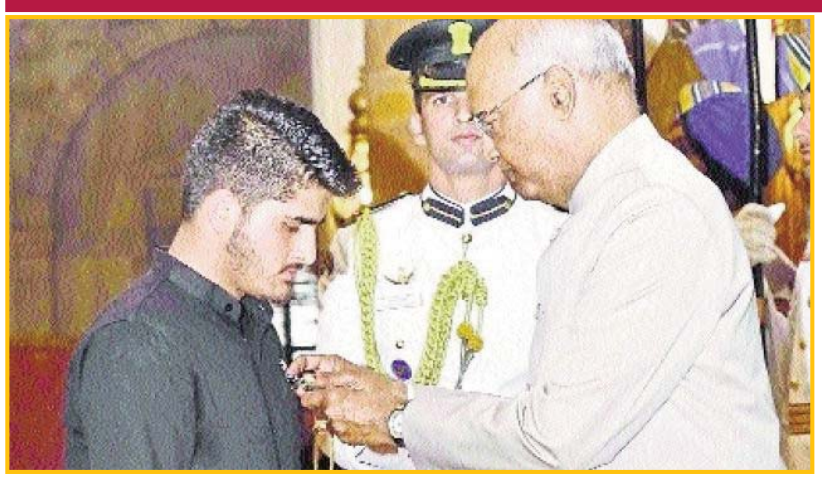

इरफान रमजान शेख, शौर्य चक्र विजेता

इरफान का जन्म जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में हुआ। शोपियां लंबे समय से अशांत इलाका रहा है। अमन-पसंद लोग हमेशा से आतंकियों के निशाने पर थे। आतंकवादी कभी नहीं चाहते थे कि इलाके का विकास हो और लोग खुशहाल जिंदगी जिएं। इरफान का बचपन ऐसे ही माहौल में बीता। उनके अब्बा मोहम्मद रमजान शेख अमन-पसंद इंसान थे। तमाम मुश्किलों के बावजूद उन्होंने अपने बच्चों को स्कूल पढ़ने भेजा। परिवार में तीन-भाई बहन थे। इरफान सबसे बड़े बेटे थे। अब्बा चाहते थे कि घाटी में अमन कायम हो, बच्चों को तालीम मिले और लोगों को सम्मान से जीने का मौका। पर दहशतगर्दों को यह कतई मंजूर नहीं था। वे तो नई पीढ़ी को भी दहशतगर्दी का पाठ पढ़ाना चाहते थे। रमजान शेख को सामाजिक और सियासी मसलों में गहरी दिलचस्पी थी। वह महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट से जुड़ गए। इस दौरान उनका इलाके के लोगों से मिलना-जुलना बढ़ता गया। वह स्थानीय लोगों को लोकतंत्र और तालीम का महत्व समझाने लगे। आतंकवादी नहीं चाहते थे कि लोग लोकतंत्र का हिस्सा बनें। पर अब्बा ने आतंकियों की धमकी के बावजूद पंचायत चुनाव में हिस्सा लिया और जीता भी। सरपंच बनने के बाद वह स्थानीय समस्याओं के समाधान में जुट गए। बतौर सरपंच उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। गांव के लोग उनकी बड़ी इज्जत करते थे। पर आतंकवादियों को यह कतई पसंद नहीं था। वे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और वोट देने वाले नागरिकों से बहुत नाराज थे। अब्बा को कई बार धमकियां मिलीं, पर उन्होंने परवाह नहीं की। वर्ष 2013 में उनके ऊपर हमला हुआ था, पर वह बाल-बाल बच गए। आतंकवादी उन्हें सबक सिखाने को आमादा थे। सबसे बड़ा बेटा होने के कारण इरफान शुरू से अब्बा के करीब थे। वह उनकी जिम्मेदारियों और चुनौतियों से वाकिफ थे। उन्हें एहसास था कि अब्बा किन मुश्किलों से जूझ रहे हैं। यह वाकया 16 अक्तूबर, 2017 का है। तब वह 14 साल के थे। रात का समय था। खाना खाने के बाद परिवार के लोग सोने चले गए। इस बीच तीन आतंकवादियों ने अचानक उनके घर को घेर लिया। घर के बाहर शोर सुनकर उन्होंने दरवाजा खोला। तीन आतंकी सामने खड़े थे। उनके हाथों में बंदूकें थीं। आंखों में नफरत और गुस्सा साफ झलक रहा था। इरफान समझ चुके थे कि आतंकी अब्बा को मारने आए हैं। आतंकवादियों ने अब्बा का नाम पुकारते हुए उन्हें बाहर आने को कहा। आतंकियों के पास हथियार थे और इरफान निहत्थे। पर अब्बा को बचाने के लिए वह बिना वक्त जाया किए आतंकियों पर अकेले ही टूट पड़े। वह नहीं चाहते थे कि आतंकी घर के अंदर घुस पाएं। वह आतंकियों से बंदूक छीनने की कोशिश करने लगे। वह जानते थे कि यदि आतंकी घर के अंदर घुस आए, तो पूरे परिवार को खत्म कर डालेंगे। आतंकियों ने इरफान को डराने के लिए गोलियां चलाईं, पर वह वहां से नहीं भागे। दहशतगर्द 14 साल के इस बच्चे का हौसला देखकर दंग थे। इस बीच फायरंग की आवाज सुनकर परिवार के बाकी लोगों की नींद भी टूट गई। अब्बा भागते हुए बाहर निकले। सामने बेटे को आतंकियों से भिड़ते देख उनके तो होश ही उड़ गए। उन्होंने इरफान को वहां से भाग जाने की सलाह दी, पर इरफान ने जवाब दिया, मैं आपको छोड़कर नहीं जाऊंगा। इसी दौरान आतंकियों ने जबर्दस्त फायरंग शुरू कर दी। उनके निशाने पर अब्बा थे। गोलियों से छलनी होकर वह जमीन पर गिर पड़े। इरफान ने एक बार फिर आतंकियों से बंदूक छीनने की कोशिश की। आतंकियों ने दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरंग की। इस दौरान एक आंतकी को भी गोली लग गई और वह मारा गया। साथी को मरा देखकर बाकी आतंकी भाग खड़े हुए। गोलियों की आवाज सुनकर गांव के लोग भी जाग गए। बेहद खौफनाक मंजर था। अब्बा खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। घर के लोग दहशत से कांप रहे थे। गांव के कुछ लोग अब्बा को लेकर अस्पताल की ओर भागे। इस दौरान इरफान ने भाई-बहन को संभालते हुए अब्बा के ठीक होने का भरोसा दिलाया। पर अस्पताल पहुंचने से पहले ही अब्बा ने दम तोड़ दिया। पूरे गांव में इरफान के बुलंद हौसले की तारीफ होने लगी। उनकी वजह से ही आतंकी घर के अंदर नहीं घुस पाए। इरफान की ललकार से आतंकी इतने सहम गए थे कि वे अपने साथी का शव ले जाने की हिम्मत भी नहीं कर पाए। इरफान इस समय दसवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। वह पुलिस अफसर बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। अब उनका मकसद दहशतगर्दों को सबक सिखाना है। हालांकि आज भी उनके मन में यह मलाल है कि वह अपने अब्बा की जान नहीं बचा सके। केंद्र सरकार ने 17 साल के इरफान को उनकी बहादुरी के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित करने का फैसला किया। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें एक भव्य समारोह में मेडल देकर सम्मानित किया।

प्रस्तुति- मीना त्रिवेदी

अमेरिका को नाराज कर इटली ने चीन से किया बड़ा समझौता

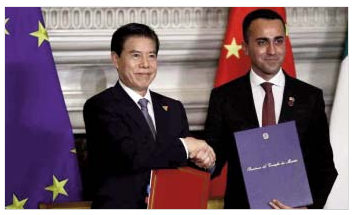

रोम।

इटली ने शनिवार को चीन के साथ एक बड़ी डील कर अमेरिका को करारा झटका दिया है। जानकारी के अनुसार इटली ने चीन के वन बेल्ट-वन रोड (ओबीओआर) अभियान में शामिल होने के लिए समझौते (एमओयू) पर दस्तखत कर दिए हैं जिसके चलते चीन और इटली मिलकर अफ्रीका, यूरोप और अन्य महाद्वीपों में बंदरगाह, पुल और बिजलीघर का निर्माण करेंगे। इटली ने ये फैसला अमेरिका की आपत्ति की अनदेखी करते हुए किया है। चीन का दावा है कि 10 खरब डॉलर वाले उसके अभियान से अभी तक 150 देश जुड़ चुके हैं। दोनों देशों के अधिकारियों ने 29 बिंदुओं वाले समझौता प्रपत्र पर दस्तखत किए हैं। इस मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और इटली के प्रधानमंत्री गियूसेप कोंटे उपस्थित थे। चिनफिंग यहां दो दिन की यात्रा पर आए हैं। इटली सरकार ने पूरे सम्मान के साथ उनका स्वागत किया है। दुनिया की सात सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों (जी-7) में शुमार इटली पहला देश है जो ओबीओआर में शामिल हुआ है। इटली के ताजा फैसले से संकेत मिले हैं कि वहां के बंदरगाहों के विकास में चीन का बड़ा निवेश होगा। इटली की पूर्व और पश्चिम के व्यापार में प्राचीन काल से अहम भूमिका रही है। यूरोप में ओबीओआर अभियान का विस्तार होने से चीन का अब अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध और तीखा होने के आसार हैं।

अभी तक यूरोपीय यूनियन चीन की कंपनियों को लाभ पहुंचाने की चिनफिंग सरकार की गलत नीतियों से सशंकित रहा है। वह चीनी कंपनियों और वहां की सरकार के रुख को व्यापार की शर्तों के खिलाफ मानता है। यूरोपीय यूनियन के नेता ब्रसेल्स में चीन के गलत नीतियों वाले व्यापार की चुनौती से लड़ने के लिए रणनीति बना रहे हैं।

इमरान ने हिंदू बहनों के जबरन धर्मांतरण व निकाह मामले की मांगी रिपोर्ट

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सिंध प्रांत में दो नाबालिग हिंदू बहनों के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन एवं कम उम्र में विवाह कराए जाने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने इस संबंध में जल्द रिपोर्ट देने को कहा है। रवीना (13) एवं रीना (15) को होली की पूर्व संध्या पर सिंध के घोटकी जिले में उनके घर से कुछ दबंग'' पुरुषों ने कथित तौर पर अगवा कर लिया था। अपहरण के कुछ समय बाद ही एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक मौलवी दोनों लड़कियों का निकाह कराते हुए कथित तौर पर दिख रहा है। वहीं एक अन्य वीडियो में दोनों नाबालिगों को यह कहते हुए सुना गया कि उन्होंने अपनी इच्छा से इस्लाम कुबूल किया है। सूचना मंत्री चौधरी ने रविवार को उर्दू में ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री ने सिंध के मुख्यमंत्री से उन खबरों की जांच के लिए कहा है जिनमें उक्त लड़कियों को पंजाब के रहीम यार खान ले जाने की बात कही गई है। साथ ही चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सिंध एवं पंजाब सरकारों को घटना के संबंध में एक संयुक्त कार्य योजना बनाने और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए मजबूत कदम उठाने को कहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के

अल्पसंख्यक हमारे झंडे का सफेद रंग हैं और हमारे झंडे के सारे रंग हमारे लिए कीमती हैं।

ब्रिटेन में लुटेरों के निशाने पर गोल्ड प्रेमी भारतीय, 1280 करोड़ के गहने चोरी

लंदन।

ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के माता-पिता और दादा-दादी उन्हें सोना खरीदने की सलाह देते हैं। क्योंकि बुजुर्ग सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं, साथ ही उसका पास होना भाग्यशाली भी मानते हैं। लेकिन अब यहां भारतीय मूल के लोगों को सोने का प्रेम भारी पड़ रहा है। बीते पांच साल में उनके घरों से 140 मिलियन पाउंड (1,280 करोड़ रुपए) के आभूषण चोरी हुए हैं। यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी से सामने आई है। ब्रिटेन की दुकानों में एशियन गोल्ड के नाम से बेचे जाने वाले आभूषण अक्सर शादी के मौकों पर उपहार स्वरूप दिए जाते हैं।

आभूषणों के लेनदेन का यह चलन दक्षिण एशियाई परिवारों में खासतौर पर होता है। सन 2013 से अभी तक घरों में रखे इन आभूषणों की चोरी की 28,000 घटनाएं हुई हैं। सर्वाधिक आभूषण लंदन इलाके से चुराए गए। यहां से 115.6 मिलियन पाउंड (1,056 करोड़ रुपए) के आभूषण चोरी हुए, जबकि 9.6 मिलियन पाउंड (88 करोड़ रुपए) के आभूषण मैनचेस्टर इलाके से चोरी हुए। चोरी के इन मामलों की जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ऐरन डुग्गन के अनुसार चोर पकड़ने के बाद भी आभूषणों की बरामदगी में खासी मुश्किल आती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आभूषणों को बहुत जल्द गला दिया जाता है और इसके बाद सोने को बेच दिया जाता है।

भारतीय समुदाय के लोगों के बीच आभूषणों के लिए प्रसिद्ध स्टोर चलाने वाले संजय कुमार बताते हैं कि वह अपने ग्राहकों को आभूषण सुरक्षित रखने के तरीकों की जानकारी देते रहते हैं। साथ ही आभूषणों का बीमा कराने की भी सलाह देते हैं। संजय कुमार का स्टोर लंदन में है।

माली में सबसे बड़ा जिहादी हमला, 110 लोगों की मौत

बमाको।

मध्य माली के पियूल समुदाय के एक गांव में पारंपरिक शिकारी समुदाय डोगोन के हमले में शनिवार को कम से कम 110 लोगों की मौत हो गई। एक सैन्य सूत्र ने कहा कि पियूल गांव में पारंपरिक शिकारियों ने ओगोसागोउ गांव में हमला करके कम से कम 110 आम लोगों की हत्या कर दी। घटनास्थल के करीबी शहर बंकास के मेयर गुइंदो ने घटना की पुष्टि करते हुए इसे क्षेत्र में जातीय और जिहादी हिंसा के कारण होने वाला आज तक का सबसे बड़ा हमला करार दिया है। मेयर गुइंदो ने कहा, पारंपरिक दोंजो शिकारी की वेशभूषा पहनकर पहुंचे हमलावरों ने सुबह 4 बजे के करीब ओगोसागू को घेरकर उस पर हमला बोला। वहां बड़ी संख्या में मौत हुई हैं और पूरा गांव ध्वस्त हो गया है। पीड़ित

लोगों में गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। ओगोसागू के एक ग्रामीण ने बताया कि यह हमला अलकायदा से जुड़े उस संगठन के खिलाफ बदले की कार्रवाई था, जिसने शुक्रवार को पिछले सप्ताह हुए हमले में 23 सैनिकों को मारने की जिम्मेदारी ली थी।

संक्षिप्त समाचार

क्राइस्टचर्च हमला: न्यूजीलैंड में मिलिट्री स्टाइल सभी बंदूकें बैन करने का ऐलान

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च हमले की अमानवीय त्रासदी के बाद प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने सभी प्रकार के सेमी ऑटोमैटिक हथियारों की बिक्री पर बैन का ऐलान किया है। बता दें कि क्राइस्टचर्च में पिछले शुक्रवार को दो मस्जिदों में 50 लोगों की हत्या के बाद से देश का बंदूक कानून विवादों में है। वहीं अर्डर्न ने कहा कि 11 अप्रैल तक नए कानून के लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित हथियारों के लिए खरीद-फरोख्त योजना बनाई जाएगी। प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने कहा कि कि न्यूजीलैंड में तुरंत प्रभाव से असॉल्ट राइफल्स, हाई कैपेसिटी मैगजिन और और मिलिट्री स्टाइल सेमी ऑटोमैटिक राइफलोंट पर प्रतिबंध लग रहा है। अर्डर्न ने गुरुवार को प्रतिबंध की घोषणा की और कहा कि अगले महीने इसे कानूनी रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमलों में गिरफ्तार व्यक्ति ने अपने हथियार कानूनी रूप से खरीदे थे और एक साधारण ऑनलाइन पोर्टल के जरिये आसानी से खरीदे गए 30-राउंड मैगजीन्स का उपयोग कर हमले की क्षमता को बढ़ाया। बता दें कि 15 मार्च को न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों में एक शख्स ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। आस्ट्रेलियन नागरिक हमलावर टन टैरेंट हेलमेट लगाकर मस्जिद में घुसा और चलो पार्टी शुरू करते है कहते हुए ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने लगा। जिस वक्त ये हमला हुआ मस्जिद नमाज़ियों से भरी हुई थी। बांग्लादेश की क्रिकेट टीम भी वहां मौजूद थी।

इंडोनेशिया में 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के मालुकु प्रांत में रविवार को 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूकंप वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार भूकंप का केंद्र तटीय शहर टेरनेट के 150 किलोमीटर पश्चिमोत्तर में जमीन से 37 किलोमीटर गहराई में था। टेरनेट निवासी बुडी नुरगियांतो ने एएफपी से कहा, '' मैं टीवी देख रहा था तभी भूकंप का झटका महसूस हुआ। यह काफी तेज था लेकिन शीघ्र ही समाप्त हो गया जिसकी वजह से लोग परेशान नहीं हुए।'' अधिकारी भूकंप के प्रभाव की जांच कर रहे हैं लेकिन तत्काल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पाकिस्तान में स्कूल की दीवार गिरने से 6 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गुजरानवाला जिले में शनिवार को एक निजी स्कूल की दीवार के ढह जाने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना एक पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान हुई और उस समय बच्चे मंच पर प्रस्तुति दे रहे थे। बच्चों की प्रस्तुति देखने के लिए उनके अभिभावक भी मौजूद थे। हादसे में पांच छात्रों और एक छात्र की मां की मौत हो गई। घायलों में शिक्षक और छात्र शामिल हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनमें से कई की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो महीनों से अधिक समय से लगातार हो रही बारिश के कारण दीवार कमजोर हो गई थी। पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बजदार ने घटना पर शोक प्रकट किया है और इसकी जांच का आदेश दिया है।

न्यूजीलैंड में विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड में शनिवार को एक विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने आज इस बात की पुष्टि की। शनिवार को न्यूजीलैंड के मध्य उत्तर द्वीप के कइमनावा क्षेत्र से एक हल्के विमान के लापता होने की खबर आयी थी। हालांकि खराब मौसम के कारण स्थानीय पुलिस रविवार सुबह तक इसका पता लगाने में कामयाब नहीं हो सकी थी। विमान का मलबा रविवार सुबह 11:30 बजे मिला। दोनों चालक के शव बरामद कर लिए गए हैं और ये ऑकलैंड के अर्डमोर फ्लाइंग स्कूल से जुड़े थे। बताया जा रहा है कि दोनों पायलट अपनी नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर थे। विमान ने शनिवार रात उत्तरी पलमेरस्टोन से उड़ान भरी थी। मामले की जांच स्थानीय पुलिस, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और परिवहन दुर्घटना जांच आयोग कर रहा है।

1300 यात्रियों से भरा समुद्री जहाज खतरे में, बचाव के लिए लगाए हेलीकॉप्टर

ओस्लो। नॉर्वे के समुद्र तट के पास1300 यात्रियों से भरा एक क्रूज खतरे में फंस गया। क्रूज से मिले आपात संकेतों के बाद सक्रिय हुए नॉर्वे के बचाव दल ने यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए हेलीकॉप्टर लगाए हैं। खराब मौसम के चलते ये जहाज समुद्र में फंस गया है। जानकारी के अनुसार, खराब मौसम के चलते वाइकिंग स्काई नाम के क्रूज शिप के इंजन में शुक्रवार से मुश्किल आ रही थी। शनिवार को जब स्थिति में और गिरावट आई तो क्रूज चालक दल ने नजदीकी कंट्रोल रूम के लिए सहायता संदेश भेजा। इसके बाद सक्रिय हुए नॉर्वे के सरकारी तंत्र ने चार हेलीकॉप्टर लगाकर बचाव अभियान शुरू किया। देश के पुलिस प्रमुख टोर आद्रे ने भरोसा दिया है कि समय रहते जहाज में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। खराब मौसम और तेज हवा के चलते समुद्र में तेज लहरें उठ रही हैं, इसलिए बचाव कार्य में मुश्किल आ रही है। जहाज जिस जगह फंसा है वहां पर जल सतह के नीचे ऊंची चट्टानें हैं, इसलिए वहां पर बचाव कार्य के लिए किसी दूसरे जहाज को भेजना भी खतरनाक है। बचाव दल के प्रवक्ता के अनुसार क्रूज का एक इंजन ही काम कर रहा है। तट से दो किलोमीटर की दूरी पर जहाज ने लंगर डाल दिया है।

अफगानिस्तान में हवाई हमले से 10 नागरिकों की मौत

कुन्दुज।

उत्तरी अफगानिस्तान के कुंडुज प्रांत में आतंकवादियों के खिलाफ हुए हवाई हमले में 10 नागरिकों की मौत हो गई और आठ अन्य नागरिक घायल हो गए। स्थानीय अधिकारी ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। प्रांतीय परिषद के अधिकारी युसूफ अयोबी ने कहा, ''कुंडुज शहर में पिछले कई दिनों से सेना के अभियान के दौरान तालुका के आठ किलोमीटर क्षेत्र तक झड़पें चल रहीं थी। सुरक्षा बलों ने तालुका में शुक्रवार रात को हवाई हमला किया लेकिन इस हमले में कुछ नागरिकों की भी जान चली गई।'' उन्होंने कहा कि इस हमले में कई आतंकवादी मारे गये तथा कई घायल हुए हैं। शनिवार को गांववालों ने कुंडुज शहर में नागरिकों की मौत के विरोध में शवों के साथ प्रदर्शन किया। इस बात का अभी पता नहीं चल पाया है कि यह हवाई हमला अफगान वायु सेना ने या नाटो में से किसने किया। अफगान सेना के सात जवानों और अमेरिका को दो सैनिकों को तालुका में झड़प के दौरान अपनी जान गंवानी पड़ी थी और कई जवान घायल हो गए जबकि तालिबान के 30 आतंकवादी भी इसमें मारे गए और 10 घायल हुए थे। पूर्वी अफगानिस्तान के तीनों

प्रांत में इस महीने में सेना के अभियान के दौरान दो दर्जन नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी और कई लोग घायल हुए। अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों ने देश के लोगों और 34 प्रांत की राजधानियों पर काबू रखा है लेकिन तालिबानी विद्रोहियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के बड़े हिस्सों पर नियंत्रण किया हुआ है।

पिछले साल की शुरुआत से बड़े पैमाने पर अफगानिस्तान के शहरों और जिलों में हमले किए हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन के लिए और वस्तुओं का आयात करेगा चीनः शीर्ष अधिकारी

बीजिंग।

चीन के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को कहा कि हम द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने के लिए अमेरिका से और वस्तुओं का आयात करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह प्रमुख मांग है। दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध समाप्त करने के लिए व्यापार सौदे की रूपरेखा को अंतिम रूप देने को लेकर अगले महीने होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले अधिकारी ने यह बात कही। ट्रंप यह मांग कर रहे हैं कि चीन 375 अरब डॉलर का व्यापार घाटा कम करे और बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) का संरक्षण करे तथा अमेरिकी वस्तुओं का आयात बढ़ाए। वह पहले ही अमेरिका को किए जाने वाले 250 अरब डॉलर मूल्य के चीनी निर्यात पर शुल्क बढ़ा चुके हैं और 200 अरब डॉलर मूल्य के चीनी आयात पर शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया है। दोनों देश मामले को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने हाल ही में कहा कि चीन के उप-प्रधानमंत्री लिऊ ही तथा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राबर्ट लाइटहाइजर तथा वित्त मंत्री स्टीवन न्यूचिन के बीच बैठक अप्रैल में वाशिंगटन में होगी। लिऊ चीन की तरफ से मुख्य वार्ताकार हैं। बातचीत से पहले उप-प्रधानमंत्री तथा पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के सदस्य हान झेंग ने बीजिंग में रविवार को चीनी विकास मंच से कहा कि चीन आयात बढ़ाने की दिशा में काम करेगा और अमेरिका के साथ व्यापार को संतुलित करेगा। हान ने विदेशी व्यापार प्रतिनिधियों तथा अमेरिका एवं अन्य देशों के पूर्व अधिकारियों के समक्ष कहा कि उनकी सरकार समान अवसर को लेकर प्रतिबद्ध है। हांगकांग के एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हमारा लक्ष्य व्यापार अधिशेष करना नहीं है। वास्तव में हम व्यापार संतुलन को लेकर आयात बढ़ाना चाहते हैं। हांगकांग के एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हमारा लक्ष्य व्यापार अधिशेष करना नहीं है। वास्तव में हम व्यापार संतुलन को लेकर आयात बढ़ाना चाहते हैं।

कनाडा : बस दुर्घटना के लिए प्रवासी भारतीय को 8 साल की जेल

मेलफोर्ट। यहां एक प्रवासी भारतीय ट्रक चालक को उसके ट्रक की आइस हॉकी टीम की बस से टक्कर लगने से 16 लोगों की मौत होने के मामले में आठ साल जेल की सजा सुनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स ने यह जानकारी दी। सस्केचेवान प्रांत की न्यायाधीश इनेज कार्डिनल ने जसकीरत सिंह सिद्धू को प्रत्येक मृतक के लिए आठ साल तथा 13 घायलों के लिए पांच साल जेल की सजा सुनाई। उन्होंने हालांकि आदेश दिया कि पूरी सजा एक साथ ही जारी रहेगी, इसलिए दोषी को अधिकतम आठ साल ही जेल में काटने पड़ेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अदालत को बताया गया कि चालक ने राजमार्ग पर चार संकेतों को नजरंदाज कर ब्रोंकोस आइस हॉकी टीम को लेकर चौराहे से गुजर रही एक बस टक्कर मार दी। सूत्रों ने कार्डिनल के हवाले से लिखा, यह चौंकाने वाला और समझ से परे है कि एक पेशेवर चालक इतनी लंबी दूरी तक इतने सारे संकेतों को नहीं देख पाया। जानकारी के अनुसार, उन्होंने कहा कि चूंकि सिद्धू एक स्थाई निवासी है और कनाडाई नागरिक नहीं है इसलिए सजा पूरी होने के बाद उसे उसके देश भेज दिया जाएगा। कनाडा ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) के अनुसार, भारत में पला सिद्धू 2013 में अपनी प्रेमिका के पीछे-पीछे यहां आ गया और कैलगरी में रहने लगा।

चीन ने भारत-पाक सीमा पर तैनात किए फौजी दस्ते

बीजिंग।

चीन ने सीपैक योजना की रक्षा के लिए भारत-पाक सीमा पर फौजी दस्ते तैनात कर दिए हैं। विदेशी मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सीपैक योजना पर संभावित खतरे के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। भारत के सीमा सुरक्षा बल ने सीमा के नजदीक चीनी फौजी दस्तों की हिलजुल देखी है। जानकारी के अनुसार चीन ने पाकिस्तान में सिंध प्रांत के थार क्षेत्र में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की एक टुकड़ी को तैनात किया है जो भारत के साथ पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 90 किलोमीटर दूर है। रशियन मीडिया की खबर के अनुसार, चीन की सैन्य टुकड़ी की तैनाती कथित तौर पर के तहत आने वाली कोयले की खदानों की सुरक्षा के लिए की गई है।

इन खदानों में खनन का स्थानीय ब्लूच नागरिकों द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है।बताया जा रहा है कि चीन पाकिस्तान के सुरक्षा इंतजामों से खुश नहीं है और यही वजह है कि उसने पीएलए की एक टुकड़ी को इन कोयला खदानों की सुरक्षा में तैनात कर दिया है। हालांकि भारतीय बॉर्डर के इतने नजदीक चीनी सेना की तैनाती से भारतीय सुरक्षा के लिए एक नई चिंता उभर गई है। बता दें कि चीन, पाकिस्तान में 62 बिलियन डॉलर के महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत चीन पीओके, ब्लूचिस्तान, पाकिस्तान से होकर चीन के शिनजियांग प्रांत तक सड़क का निर्माण कर रहा है। इस प्रोजेक्ट की मदद से चीन अरब सागर के ग्वादर बंदरगाह तक अपनी कनेक्टिविटी बना रहा है। ग्वादर बंदरगाह का विकास भी चीन द्वारा ही किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट भविष्य में चीन के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। लेकिन ब्लूचिस्तान के स्थानीय लोगों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। वहीं पीओके के चलते भारत द्वारा भी इसका विरोध किया जा रहा है। इसी सीपैक प्रोजेक्ट की सुरक्षा में पाकिस्तान ने अपने 17000 सैनिक सुरक्षा में तैनात किए हुए हैं।

अब स्पूतनिक की खबर के हवाले से खबर आयी है कि चीन पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था से नाखुश है और इसीलिए उसने अपनी सेना की तैनाती भी अब पाकिस्तान के थार क्षेत्र में कर दी है।

होमगार्ड, पुलिस-सिक्युरिटी फोर्स के खिलाफ दबाव

चौकीदार के शासन में सुरक्षा जवानों को कम वेतन मिलता

चौकीदार के नाम पर करोड़ों का घोटाला और ईमानदारी से ड्यूटी करते चौकीदार सुरक्षा जवान का भारी शोषण

अहमदाबाद । २३-२३ वर्ष से गुजरात की भाजपा सरकार में ४०,००० होमगार्ड जवानों, हजारों पुलिस जवानों, फायरब्रिगेड, इंडस्ट्रीयल सिक्युरिटी फोर्स सहित नगरपालिका, महानगरपालिका और बोर्ड निगमों में डयूटी करते सुरक्षा गार्ड-चौकीदारों को मामूली वेतन से शोषण कर रही है । अब, भाजपा सरकार के ''में भी चौकीदार'' प्रचार पर निशाना साधते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने बताया कि, ''में भी चौकीदार'' प्रचार कर रही भाजपा सरकार में प्राकृतिक आपदा सहित ३६५ दिन ड्यूटी करते ४०,००० होमगार्ड जवानों को सिर्फ ४ रुपया जितना, पुलिस जवानों को ३० रुपया, वोर्शिंग एलाउन्स दिया जाता है । फायरब्रिगेड जैसी चुनौतीपूर्ण काम करते जवानों को ४-५ वर्ष से यूनिफार्म नहीं दिया गया है । नगरपालिका, महानगरपालिका, बोर्ड निगमों में कार्यरत चौकीदार-सुरक्षा जवानों को १२-१२ घंटे नौकरी करते पर्याप्त वेतन नहीं दिया जाता है । गुजरात में चौकीदार को न्यूनतम वेतन मामले में C/SCA/7401/2016 सुप्रीम कोर्ट ने १५०० रुपये वेतन मामले में फटकार लगाई थी । गुजरात में करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्तियों, उद्योग, सुरक्षा देता गुजरात इंडस्ट्रीयल सिक्युरिटी फोर्स के १५-१५ वर्ष से काम करते चौकीदार सुरक्षा जवानों को ५००० रुपये मामूली वेतन से शोषण हो रहा है । गुजरात के होमगार्ड जवानों को निकट के पड़ोसी राज्यों की अपेक्षा बहुत कम वेतन मिलता है । गुजरात के होमगार्ड जवानों को प्रतिदिन ३०० रुपये और ४ रुपये वोर्शिंग एलाउन्स यानी कि ३०४ जितना ही वेतन दिया जाता है लेकिन पिछले कई वर्षों से यह भी नियमित नहीं मिलता है । अन्य राज्यों में होमगार्ड जवानों को ५० से ८० रुपये जितना वोर्शिंग एलाउन्स और कुछ राज्यों में ९० रुपये परेड एलाउन्स, ३५ रुपये पॉकिट एलाउन्स और टीए प्रतिदिन दिया जाता है जबकि गुजरात के होमगार्ड जवानों को यूनिफार्म नहीं मिलता है । आर्टिकल, टीए. समय पर नहीं मिलता है। क्या गुजरात के होमगार्ड जवानों को सिर्फ मजदूर है या सरकारी सेवक या कर्मचारी नहीं है? ''में भी चौकीदार'' के नाम पर प्रचार करते जिम्मेदार चौकीदार क्या सो गये है या तो जानबूझकर नजरअंदाज करके बड़े पैमाने पर घोटाले मामले में जवाब मांगते हुए डॉ. मनीष दोशी ने बताया था ।

गुजरात में तापमान दो से तीन डिग्री तक बढ़ने के संकेत

राज्य के विभिन्न हिस्सों में तापमान ३९ से भी ऊपर : रास्ता रविवार होने से दोपहर के समय में सूनसान दिखाई दिए

सूरत । गुजरात में गर्मी के प्रमाण में तेजी से वृद्धि हो रही है। आगामी दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में अधिकतर वृद्धि नहीं होगी लेकिन इसके बाद अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक बढ़ने की संभावना है । अप्रैल महीने में भीषण गर्मी पड़ने के संकेत दिखाई दे रहे है ।लेकिन पंखा और एसी का उपयोग पहले से ही शुरू हो चुका है । यह डबल सीजन में सावधान के बीच फिलहाल लोग एसी और पंखा का उपयोग सावधानीपूर्वक कर रहे हैं । अहमदाबाद सहित राज्य के अधिकतर क्षेत्रों में तापमान ३७ से ३९ डिग्री के बीच पहुंच गई है । रविवार को विभिन्न हिस्सों में तापमान ३९ से भी ऊपर पहुंच गया । अमरेली में ३९.२, सुरेन्द्रनगर में ३९.३, महुवा में ३९.६ डिग्री तक तापमान पहुंच गया । सौराष्ट्र और कच्छ में भी गर्मी का प्रमाण प्रतिदिन बढ़ रहा है । अधिकतम तापमान में वृद्धि होने के साथ कॉर्पोरेशन द्वारा जरूरी कदम उठाने की शुरूआत की गई है। सोमवार को अहमदाबाद शहर में अधिकतम तापमान ३८ तक पहुंचने की संभावना है । मिश्र सीजन होने की वजह से बच्चे काफी परेशानी अनुभव कर रहे हैं । निजी अस्पताल में लंबी लाइनें लग रही है । बड़ी उम्र के लोग भी बीमारी के शिकंजे में आ रहे है । इस बार गत वर्ष की तुलना में ज्यादा गर्मी होने की संभावना है। मिश्र सीजन की वजह से छोटे बच्चे वायरल इंफेक्शन के शिकंजे में आ रहे है । धुलेटी त्यौहार पर छोटे बच्चे कलर और पानी से होली और धुलेटी खेलने के बाद वायरल इंफेक्शन के केस में वृद्धि हुई है । बुखार के केस में वृद्धि हुई है । जानकार लोगों के बताये अनुसार इस प्रकार की सीजन में नियमितता से पीछे हटने की स्थिति में बीमार होने का खतरा रहा है । त्यौहार की सीजन में लापरवाही के केस हमेशा रहते हैं । ऐसी स्थिति में बुखार के केस भी बढ़ गये है । अहमदाबाद शहर में रविवार को अधिकतम तापमान ३८ डिग्री रहा । दोपहर के दौरान रास्ते सुनसान दिखाई दिए । रविवार का दिन होने से लोग दोपहर के समय में बिनाजरूरी से बाहर नहीं निकले । गर्मी का प्रमाण बढ़ने से लोग बचने के लिए भी प्रयास में है ।

प्रेमिका को गर्भवती बनाकर मुंबई के विवाहित युवक फरार

सूरत। मुंबई के एक धोखेबाज युवक ने शादीशुदा होने के बावजूद सूरत की युवती को प्रेमजाल में फांसकर उसे गर्भवती बनाकर फरार हो गया। पीड़ित युवती की शिकायत पर सूरत की अमरोली पुलिस ने प्रवीण जोगडिया नामक शक्स के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जानकारी के अनुसार मुंबई के भायखल्ला क्षेत्र में रहनेवाला प्रवीण देवसी जोगडिया नामक युवक पहले शादीशुदा था। इसके बावजूद सूरत के अमरोली क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती को प्रेमजाल में फांस लिया और गत 20 अगस्त 2018 को अपने गांव जाकर मंदिर में उससे शादी कर ली।

सूरत। सी.आर.पाटील को नवसारी लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार घोषित करते ही उनके समर्थकों द्वारा उनके अंबानगर में मौजुद ओफिस पर जश्न मनाया और पटाखे बजाएं।

अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक जांच पूरी

बोर्ड परीक्षा : उत्तर पुस्तिका की जांच में तेजी लाई गई

अहमदाबाद । कक्षा-१० और कक्षा-१२ बोर्ड की परीक्षा पूरी होने के बाद अब पेपर जांचने की प्रक्रिया चल रही है। अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक यह प्रक्रिया को पूरी कर ली जाएगी । २३ मार्च को बोर्ड की परीक्षा पूरी की गई थी । यह परीक्षा ७ मार्च को शुरू हुई थी। बोर्ड के अधिकारियों के बताये अनुसार करीब १८ लाख उत्तर पुस्तिकाओं की जांचने की प्रक्रिया १६ मार्च से शुरू कर दी गई थी। शिक्षकों को यह प्रक्रिया अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक पूरा करने के लिए कहा गया है। इसके बाद शिक्षकों को चुनाव संबंधित काम सौंपा जाएगा । इस वर्ष में बोर्ड की परीक्षा में कक्षा-१० की परीक्षा में १०५ कोपी केस दर्ज किए गए । कक्षा-१२ की परीक्षा में ९५ केस दर्ज किए गए । सभी डीईओ को सीसीटीवी कैमरे में जांचने के लिए कहा गया था । उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र के तहत रहे अलग-अलग सेंटरों से रिपोर्ट मांगा गया है । २० दिन के अंदर ही इसमें जांच की जाएगी । चोरी किए गए विद्यार्थियों को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा । यह प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके परिणाम को लेकर निर्णय लिया जाएगा । बोर्ड के अधिकारियों ने परीक्षा हॉल के अंदर विद्यार्थियों की उपस्थिति के नियम भंग करने पर १५ केस दर्ज किए गए हैं । मोबाइल फोन का उपयोग करना और परीक्षा के दौरान छोटे स्मार्ट गेजेट का उपयोग करने के केस भी बने थे । इसके अलावा एक्जामीनर को उत्तरपुस्तिका नहीं सौंपने की घटना हुई थी । एफआईआर दर्ज करने के बाद कई केस में जांच चल रही है। परीक्षा पूरी होने के बाद पेपर जांचने की प्रक्रिया तेजी से जारी है।

अहमदाबाद सहित राज्य में गर्मी का प्रमाण बढ़ रहा है तब अलग-अलग पक्षियों के लिए व्यवस्था की जा रही है। दूसरी तरफ पक्षी भी पानी में ठंडक लेने की इच्छुक हो।

३१ मोटरसाइकिल के साथ बाइक चोर गिरफ्तार

अहमदाबाद । अमरेली एलसीबी पुलिस को सौराष्ट्र क्षेत्र में पिछले कई दिनों से बाइक चोरी करती गैंग को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी की ३१ मोटरसाइकिल के साथ छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से १२.५० लाख रुपये की बाइक चोरी का मालसामान जब्त किया गया। पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने सौराष्ट्र क्षेत्र से ५० से ज्यादा बाइक चोरी करने की कबूलात की है। जिसकी वजह से अब पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। अमरेली एलसीबी पुलिस को निश्चित जानकारी के आधार पर लाठी के पापलवा की क्षेत्र से ३१ मोटरसाइकिल के साथ छह आरोपियों क गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पूछताछ में उन्होंने यह मोटरसाइकिल बोटाद, राजकोट, लाठ सहित के अलग-अलग क्षेत्रों में चोरी करने की कबूलात की। चोरी करने वाले कई शख्स अधिकतर बोटाद जिले के हैं। बाइक चोरी करने वाले गैंग के यह शख्सों ने प्लानिंग के साथ और डुप्लीकेट चाबी की मदद से बाइक की चोरी करते थे। इस प्रकार से उन्होंने अभी तक में सौराष्ट्र क्षेत्र में अलग-अलग क्षेत्रों से ५० से ज्यादा बाइक चोरी करने की कबूलात भी की है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में धनश्याम भुपतभाई चौहाण, निलेश लालजीभाई वाघेला, तबरेज कादरभाई कारीयाणी, अतुल शामजीभाई जमोड, किशन नटुभाई हरिपरा और पार्थ लक्ष्मणभाई जांबुकीया भी शामिल है।

पोस्टर लगाकर स्थानीय निवासियों का विरोध

काम नहीं करते विधायकों विरूद्ध पोस्टर लगने का शुरू

समस्या का समाधान नहीं आया तो, उनके क्षेत्र में मत मांगने के लिए नहीं आने के लिए उम्मीदवारों को सूचना

अहमदाबाद । चुनाव आये तब उम्मीदवार उनके मत क्षेत्र में जनता के बीच जाकर दो हाथ जोड़कर उनको मत देने की अपील करते हैं। लोकसभा चुनाव को अब कुछ ही दिन बाकी है तब उम्मीदवारों के प्रचार के इस प्रकार के दृश्य सामान्य होते हैं लेकिन दूसरी तरफ, एक बार जीतने के बाद उनके क्षेत्रों में नहीं पहुंचते और उनके क्षेत्रों की समस्या या प्रश्नों का समाधान नहीं लाते उम्मीदवारों को जनता की नाराजगी का शिकार बनना पड़ता है । लोगों के काम नहीं करने वाले और जन प्रतिनिधि के तहत सेवा ईमानदारी से नहीं निभाने वाले ऐसे उम्मीदवारों के विरूद्ध सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र में तो स्थानीय निवासियों ने विशाल पोस्टर लगाकर उम्मीदवारों के विरूद्ध गंभीर नाराजगी व्यक्त की । इतना ही नहीं, यदि उनके क्षेत्रों की समस्या का समाधान नहीं आया तो, उनके क्षेत्र में मत मांगने के लिए नहीं आने के लिए उम्मीदवारों को स्पष्ट सूचना दे दी है । जनता का मूड देखकर अब उम्मीदवार भी भारी उलझन में पड़ गये हैं, अब लोगों के बीच मत लेने के लिए जाए तो जाए किस तरीके से सिर्फ सूरत ही नहीं लेकिन राज्य के कई क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के प्रति लोगों में कुछ ऐसी ही नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों की शिकायत है कि, चुनाव आता है तब उम्मीदवार मत लेने के लिए आ जाते हैं, जनता भी उन पर विश्वास रखकर उनको चुनती है लेकिन वह एक बार चुने जाने के बाद उनके काम नहीं करते है इतना ही नहीं, चेहरा बताने के लिए भी कई मामले में तो नहीं पहुंचते हैं, इसी वजह से इस बार लोगों ने दृढ़ मनोबल बनाकर पोस्टरों, बैनरों द्वारा विरोध शुरू किया है । उम्मीदवारों के प्रचार के इस प्रकार के दृश्य सामान्य होते हैं लेकिन दूसरी तरफ, एक बार जीतने के बाद उनके क्षेत्रों में नहीं पहुंचते और उनके क्षेत्रों की समस्या या प्रश्नों का समाधान नहीं लाते उम्मीदवारों को जनता की नाराजगी का शिकार बनना पड़ता है । लोकसभा चुनाव की तारीख घोषित हो गई है । भाजपा-कांग्रेस द्वारा उम्मीदवारों का एलान किया जा रहा है । इस दौरान सांसदों को लेकर लोगों में रही नाराजगी बैनर द्वारा सामने आ रही है। जिसमें सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र में स्थित खोडियार नगर सोसाइटी में सांसद और विधायकों के कामकाज के विरूद्ध प्रश्नों खड़े करते बैनर लगाये गये हैं । बारबार पेशकश की वजह से भी कोई समाधान नहीं आने पर सोसाइटी के निवासियों ने खुली चेतावनी दी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)